ओमशान्ति मीडिया

OM SHANTI GLOBAL FAMILY
PLATINUM JUBILEE
75
BRAHMAKUMARIS
2011

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 11 सितम्बर - I, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

दादी प्रकाशमणि का नाम 'लिमका बुक ऑफ रेकॉर्डस' में शामिल

अहमदनगर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अहमदनगर सेवाकेंद्र द्वारा दादी प्रकाशमणि जी के 5 वें स्मृति दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर साहकार सभागृह में समर्थ विद्या मंदिर प्रशाला, सावेडी स्कूल के 300 बच्चों ने दादीजी की वेशभूषा में 'कॉल ऑफ टाइम, गॉड्स पावर फॉर गोल्डन ऐज' का संदेश देते हुए श्रदांजली दी। इस कार्यक्रम के लिए लिमका बुक ऑफ रेकॉर्डस के प्रतिनिधी स्मिता थॉमस ने इसे 'लिम्का बुक ऑफ रेकॉर्डस' में शामिल किए जाने की घोषणा की तथा इसका प्रमाणपत्र ब्र.कु.दीपक एवं ब्र.कु.राजेश्वरी बहन को भेंट किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय हॉकी टीम के भूतपूर्व कप्तान धनराज पिल्ले तथा अभिनेत्री सुनाक्षी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर दादी प्रकाशमणि के नेतृत्व में संस्था का दिव्य इतिहास से सभी को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक ब्र.कु.दीपक ने दादीजी के नेतृत्व में संस्था के दिव्य सफर के बारे में बताते हुए कहा कि सन् 1922 में दादी प्रकाशमणिजी का जन्म हैदराबाद सिंध (पाकिस्तान) में हुआ। 1937 में दादीजी ने अपना जीवन ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित किया। 1937-50 तक दादीजी ने स्वयं सर्वशक्तिमान परमात्मा के सानिध्य में राजयोग की गहन साधना कर आत्मिक बल अर्जित किया। 1954 में दादी जी के नेतृत्व में 'द्वितीय विश्व धर्म सभा' में भाग लेने संस्था का प्रतिनिधी मंडल जापान गया। 1956 में दादीजी ने दिल्ली, पटना, कोलकाता और मुम्बई में नये सेवाकेंद्रों की स्थापना की। 1956-61 तक दादीजी ने मुम्बई के सेवाकेंद्रों की निदेशिका के रूप में 100 से भी अधिक कॉन्फ्रेंसों का आयोजन किया। 1964 में दादीजी महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बनी। 1965-68 में दादीजी को महाराष्ट्र, गुजरात एवं कर्नाटक जोन की निदेशिका के रूप में नियुक्त किया गया। 1969 में दादीजी को संस्था का मुख्य प्रशासिका नियुक्त किया गया। 1972 में दादीजी छः सदस्यों के प्रतिनिधी मंडल के साथ विदेश सेवा पर गई और विभिन्न सेवाकेंद्रों की स्थापना की। 1986 में संस्था का गोल्डन जुबली वर्ष मनाया गया। चौथे 'युनिवर्सल पीस कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। 88 देशों में 'मिलियन मिनट्स ऑफ पीस' कार्यक्रम की लांचिंग की गई। 1987 में संस्था को संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी जनरल ने दादीजी को 'पीस मैसेंजर अवॉर्ड' प्रदान किया गया।

अहमदनगर। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व हॉकी कप्तान धनराज पिल्ले, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सोनाक्षी, नगर के मेयर शीला शिंदे, ब्र.कु.दीपक, ब्र.कु.गंगाधर, ब्र.कु.मंजु, ब्र.कु.राजेश्वरी तथा अन्य।

ऐसे महान व्यक्तित्व की धनी दादी प्रकाशमणि के कार्य को दुनिया के सामने लाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर ओम शांति मीडिया के संपादक ब्र.कु.गंगाधर ने संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के बारे में बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान से भरी दादी प्रकाशमणि जी ऐसी सशक्त महिला थी जिन्होंने संपूर्ण महिलाओं को शक्ति स्वरूपा बनने का पाठ पढ़ाया और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को निखारकर उन्हें इसका एहसास कराया। यही वजह है कि आज महिलायें समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने को तत्पर है।

उन्होंने कहा कि दादीजी के नेतृत्व में संस्था को संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1987 में शांति पदक प्राप्त हुआ तथा 5 राष्ट्रीय स्तर के शांतिदूत पुरस्कार भी प्राप्त हुए। दादीजी ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें नयी दिशा प्रदान की। जैसे:- अंतर्राष्ट्रीय शांति वर्ष में 'मिलियन मिनिट्स ऑफ पीस' का आयोजन किया गया। 2. अंतर्राष्ट्रीय युवा वर्ष में युवा उत्सवों एवं युवा पद यात्राओं का आयोजन किया गया। 3. अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष में महिला जागरण अभियान और सम्मेलनों का आयोजन किया गया। 4. अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष में अनेक साक्षरता अभियानों का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों का कुशल नेतृत्व दादीजी के द्वारा किया।

ऐसी विशाल हृदय और व्यक्तित्व की धनी दादी प्रकाशमणि जिनके दर्शन मात्र से ही दु:ख कोसों दूर हो जाते थे, ऐसी महान विभूति दादीजी का देहावसान सन् 2007 में हुआ। इस कार्यक्रम के द्वारा हम सभी लोग उन्हें शत-शत नमन करते हैं।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान धनराज पिल्ले ने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किये गये हर कार्यक्रम में मैं अपना सहयोग देता हूँ क्योंकि इनके द्वारा आयोजित कार्यक्रम नि:स्वार्थ भावना और समाज की कल्याण की भावना से भरे होते हैं।

इस कार्यक्रम को दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सुनाक्षी, माउण्ट आबू की ब्र.कु.मंजु, अहमदनगर सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.राजेश्वरी ने भी सम्बोधित किया और अपनी शुभकामनायें व्यक्त की।

दादीजी के पांचवें स्मृति दिवस पर स्कूल के 300 बच्चों ने दादीजी की वेशभूषा में दी श्रद्धांजली